



[This question paper contains 04 printed pages]

[इस प्रश्न पत्र में 04 मुद्रित पृष्ठ हैं]

Himachal Pradesh Administrative Service Combined Competitive (Main /
Written) Examination, 2020

हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा संयुक्त प्रतियोगी (मुख्य / लिखित) परीक्षा, 2020

ECONOMICS (PAPER-I)

अर्थशास्त्र (पेपर-I)

Time allowed: Three Hours

Maximum Marks: 100

निर्धारित समय: तीन घंटे

अधिकतम अंक: 100

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

प्रश्न पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions

उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें।

1. There are EIGHT questions printed both in English & Hindi.
इसमें आठ प्रश्न हैं जो अंग्रेजी और हिंदी दोनों में छपे हैं।
2. Candidate has to attempt FIVE questions in all in English or Hindi.
उम्मीदवार को कुल पांच प्रश्नों के उत्तर अंग्रेजी या हिंदी में देने हैं।
3. Question No.1 is compulsory. Out of the remaining SEVEN questions, FOUR are to be attempted.
प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है। शेष सात प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
4. All questions carry equal marks. The number of marks carried by a question / part is indicated against it.
सभी प्रश्नों के समान अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न / भाग के नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Write answer in legible handwriting. Each part of the question must be answered in sequence and in the same continuation.
सुपाठ्य लिखावट में उत्तर लिखें। प्रश्न के प्रत्येक भाग का उत्तर उसी क्रम में दिया जाना चाहिए।
6. Graph / illustrations, wherever required, may be drawn / given.
ग्राफ / विशदीकरण, जहाँ जरूरी हो, अंकन करना / देना है।
7. Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in answer book must be clearly struck off.
प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा नहीं गया हो। छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।
7. Re-evaluation / Re-checking of answer book of the candidate is not allowed.
उम्मीदवार की उत्तरपुस्तिका का पुनर्मूल्यांकन / पुनः जाँच की अनुमति नहीं है।

1. Answer the following questions in brief: -

(5x4 =20)

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर संक्षेप में दीजिये:-

(a) "A firm under monopolistic competition though enjoys monopoly power yet it fails to reap monopoly profit." Explain.

"एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता में फर्म एकाधिकारी शक्ति तो रखते हैं लेकिन वो एकाधिकारी लाभ का फल भोगने में असफल रहते हैं।" समझाइये।

(b) "Aid for trade policies always expand trade and alleviate international income inequalities in the recipient countries." Evaluate the statement

"व्यापार के लिए सहायता नीतियां सदा व्यापार को प्रोत्साहित करती हैं और प्राप्तिकर्ता राष्ट्र में अन्तर्राष्ट्रीय आय विषमता को कम करती हैं " इस कथन का मूल्यांकन कीजिये।

(c) "The assumption of 'constancy of marginal utility of money' is basic to the Marshallian Utility theory." Discuss. How did the assumption prevent Marshall from splitting price effect into income effect and substitution effect?

"मुद्रा की सीमांत उपयोगिता में स्थिरता की मान्यता मार्शल के उपयोगिता सिद्धांत का मूलभूत तत्व है" विवेचना कीजिये। इस मान्यता ने किस प्रकार मार्शल को कीमत प्रभाव को आय एवं प्रतिस्थापन प्रभाव में विभाजित करने से रोका?

(d) "Economic growth is not always synonymous with improved standard of living and economic welfare." Analyse. Does HDI provide an alternative?

"आर्थिक विकास सदा उन्नत जीवन स्तर और आर्थिक कल्याण का पर्यायवाची नहीं होता।" विश्लेषण कीजिये। क्या एचडीआई एक विकल्प प्रस्तुत करता है?

2. "The trade-off between trade and environment remains unresolved." Discuss. How far is it correct to say that the unbridled and misguided temptation of nations to regulate imports and pursue 'beggar thy neighbour policy' may sabotage the 2030 Agenda for Sustainable Development of making trade "an engine for inclusive economic growth and poverty reduction, [that] contributes to the promotion of sustainable development."

(10+10)

"व्यापार एवं पर्यावरण के मध्य समंजन (लेन-देन) अभी तक अनिर्णीत है।" विवेचना कीजिये। यह कहना कहाँ तक उचित है कि राष्ट्रों का अपने आयात को नियंत्रित करने और 'अपने पड़ोसियों को निर्धन करने' का अनियंत्रित एवं दुर्नियोजित प्रलोभन, संधारणीय विकास के 2030 एजेंडा को जो मानता है कि 'व्यापार समावेशी संवृद्धि और निर्धनता उन्मूलन को एवं संधारणीय विकास को प्रोत्साहित करता है" बाधित कर सकता है।

3. Explain the conditions under which devaluation can lead to an improvement in balance of payments of a country under fixed exchange regime. Do you subscribe to the view that

monetary contraction can prove to be a better alternative than devaluation for developing countries facing balance of payments deficits under fixed exchange rate system? Provide theoretical basis to your response. (8+12)

उन शर्तों की चर्चा कीजिये जिनमें अवमूल्यन स्थिर विनिमय दर प्रणाली के अंतर्गत भुगतान संतुलन में सुधार ला सकता है। क्या आप इस विचार का समर्थन करते हैं कि मौद्रिक संकुचन, स्थिर विनिमय दर प्रणाली के अंतर्गत भुगतान संतुलन में घाटे की समस्या का सामना कर रहे विकासशील देशों के लिए, अवमूल्यन से बेहतर विकल्प सिद्ध हो सकता है? अपने उत्तर का सैद्धांतिक आधार प्रस्तुत कीजिये।

4. "Although a persistently unbalanced sharing of the growth dividend (inequality) might have some growth-promoting effect, it will ultimately result in social resentment, fuelling populist and protectionist sentiments thereby leading to political instability, dampening of economic growth and intensification of macroeconomic instability." Discuss in context of developing countries like India. What measures you can suggest to control inequality without having adverse impact on the short- and medium-term growth prospect of the economy? (12+8)

"यद्यपि विकास के लाभों का सतत असंतुलित सहभाजन (असमानता) का विकास को प्रोत्साहित करने वाला प्रभाव पड़ सकता है, तथापि यह अंततः सामाजिक आक्रोश उत्पन्न करता है, जनवादी एवं संरक्षणवादी भावनाओं को उकसाता है जिससे राजनितिक अस्थिरता उत्पन्न होती है, आर्थिक विकास निरुत्साहित होता है और समष्टि आर्थिक अस्थायित्व को बढ़ावा मिलता है।" भारत जैसे विकासशील देश के सन्दर्भ में व्याख्या कीजिये। असमानता को नियंत्रित करने के लिए ऐसे क्या उपाय आप सुझाएंगे जिससे अल्पकालीन एवं माध्यम कालीन विकास की सम्भावना पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े?

5. Inflation in India is a long-term problem caused primarily by structural problems, monetary infusion can only add fuel to the fire." Explain. What are these structural problems? Suggest appropriate policy mix to lessen the intensity of inflation in the short run and negotiate with it effectively in the medium and long run. (12+8)

"भारत में मुद्रा स्फीति एक दीर्घकालीन समस्या है जो प्रमुख रूप से संरचनात्मक समस्याओं के कारण उत्पन्न होती है, मौद्रिक निषेचन केवल आग में घी का काम कर सकता है।" व्याख्या कीजिये। ये कौन सी संरचनात्मक समस्याएं हैं? उपयुक्त नीति मिश्रण सुझाइये जो अल्पकाल में मुद्रा स्फीति की प्रबलता को कम कर सके और मध्यम एवं दीर्घ काल में इस समस्या से प्रभावी रूप में निपट सके।

6. Show that the Keynesian underemployment equilibrium and Classical full employment equilibrium result from the assumptions of these models and their treatment of aggregate demand and aggregate supply. How far is it correct to conclude that Keynesian explanation is more comprehensive and better suited for developing economies? On what grounds Keynesian explanation has been criticised by New Classical Economists? (8+6 +6)

प्रदर्शित कीजिये की कीन्स का अपूर्ण रोजगार संतुलन एवं शास्त्रीय अर्थशास्त्र का पूर्ण रोजगार संतुलन वस्तुतः इन प्रारूपों की मान्यताओं का और ये प्रारूप किस प्रकार समग्र मांग और समग्र पूर्ति का वर्णन करते हैं, उसका परिणाम हैं। यह कहना कहाँ तक उचित है कि कीन्स की व्याख्या अधिक व्यापक और विकासशील देशों के लिए अधिक उपयुक्त है? नवीन अर्थशास्त्र के समर्थकों ने किन आधारों पर कीन्स के सिद्धांतों की आलोचना की है?

7. "Privatisation has resulted in creation and sustenance of competitive condition and ensuring a Pareto Optimal solution." In the light of the statement evaluate the impact of privatisation in India. What kind of state intervention would you fathom in the present context when withdrawal of state seems inevitable and natural? (14+6)

"निजीकरण का परिणाम प्रतियोगी परिस्थिति का सृजन और सम्पोषण तथा परेटो अनुकूलतम समाधान सुनिश्चित करना रहा है।" इस कथन के आलोक में भारत में निजीकरण के प्रभाव का मूल्याङ्कन कीजिये। वर्तमान परिस्थिति में जब राज्य द्वारा हस्तक्षेप में कमी अपरिहार्य और स्वाभाविक प्रतीत हो रहा है आप राज्य द्वारा किस प्रकार की भूमिका (हस्तक्षेप) को उचित मानेंगे?

8. Discuss the following in brief:-

निम्नलिखित को संक्षेप में समझाइये:-

- (a) "High levels of public debt in India have historically been associated with fiscal dominance, and more uncertainty and volatility in the economy." Comment. (10)

"भारत में सार्वजनिक ऋण का ऊँचा स्तर ऐतिहासिक रूप से राजकोषीय प्रभुत्व और अर्थव्यवस्था में अधिक अनिश्चितता एवं अस्थिरता से सम्बद्ध रहा है।" टिपण्णी कीजिये।

- (b) How far is it correct to say that fiscal deficit gives a more comprehensive picture of health of state finances than revenue deficit? State and comment on the condition in which despite having surplus on revenue account, state can have higher fiscal deficit? (10)

यह कहना कहाँ तक उचित है कि राजकोषीय घाटा, आगम घाटा की तुलना में राज्य के वित्तीय स्वास्थ्य का अधिक व्यापक चित्रण करता है? उस परिस्थिति की चर्चा कीजिये और उस पर टिपण्णी कीजिये जिसमें आगम खाते में आधिक्य होने की बाद भी, राज्य का राजकोषीय घाटा अधिक हो सकता है।
